ACADEMIC – PROFILE

नाम	:	डा0 अरविन्द कुमार
पिता का नाम	:	श्री चुन्नी लाल
जन्म तिथि	:	04 अगस्त 1968
विषय	:	भूगोल
पद	:	एसोसिएट प्रोफेसर वर्तमान में अध्यक्ष, भूगोल विभाग।
शिक्षण अनुभव	:	प्रवक्ता, भूगोल विभाग, संत तुलसीदास पी0जी0 कालेज, कादीपुर सुल्तानपुर। भूगोल विभाग, संत विनोबा पी0जी0 कालेज, देवरिया (05 मार्च 2001 से अद्यतन) कुल शिक्षण अनुभव 19 वर्ष।
शैक्षणिक योग्यता	:	एम.ए.(भूगोल) 1993 नेट (आई0सी0ए0आर0) 1997 नई दिल्ली। नेट (यू0जी0सी0) 1998 नई दिल्ली। पी0एच0.डी0 2004, विषय–''ग्रामीण अर्थतंत्र के विकास में कृषि विकास की भूमिका'' (गोरखपुर मण्डल का प्रतीक अद्यतन)।

अन्य शैक्षणिक योग्यता–

एकेडमिक स्टॉफ कालेज, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा आयोजित 42वें अभिविन्यास पाठ्यक्रम (Orientation Course) में दिनॉक 09.06.2001 से 06.07.2001 तक भाग लिया। 2003, 2006, 2007, 2008, 2009 एवं 2012 में भूगोल विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refresher Course) में भाग लिया एवं 'ए' श्रेणी प्राप्त किया।

अन्य योग्यताएं :(1) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा गठित 2009, 2012, 2014 एवं 2018 सचल दल के सदस्य के रुप में कार्य किया।

(2) महाविद्यालय की परीक्षा समिति, क्रीड़ा समिति एवं अनुशासनात्मक समिति के सदस्य के रुप में कार्य करने का अनुभव।

(4) प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षक एवं पेपर सेंटर के रुप में कार्य करने का अनुभव।

भौगोलिक समितियों
की सदस्यता : आजीवन सदस्यता – नेशनल एसोसिएसन ऑफ जागरफर्स इण्डिया (नागी) नई दिल्ली।
आजीवन सदस्यता – उत्तर भारत भूगोल परिषद, गोरखपुर।
आजीवन सदस्यता – ग्रामीण संविकास संस्थान, गोरखपुर।
आजीवन सदस्यता – भौगोलिक विकास शोध संस्थान, गोरखपुर।
आजीवन सदस्यता – एसोसिएसन ऑफ पंजाब जागरफर्स।

संगोष्ठी आयोजन : महाविद्यालय में आयोजित निम्नलिखित संगोष्ठियों के संयोजकत्व का दायित्व निर्वहन किया।
(1) भारतीय चुनाव में दौलत की भूमिका (2016)।
(2) विद्यार्थी एवं राजनीति (2016)।
(3) मेहनतकश की सत्ता के 100 वर्ष (2016)।
(4) 10 दिसम्बर 2016 का मानवाधिकार।
(5) 8 मार्च 2017 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

सम्मान : पर्यावरण मित्र समिति द्वारा अर्न्राष्ट्रीय सेमिनार (2017) के अवसर पर 'अमृता देवी' द्वारा सम्मान, येफेयर कालेज, मुरादाबाद में प्रदान किया गया।

Number of Papers Published in peer revived Journal National :

01 "उत्तरांचल में साक्षरता का परिवर्तित प्रतिरूप"

उत्तर भारत भूगोल पत्रिका अंक 31 संख्या 1,2 जून दिसम्बर 2003 पृष्ठ– 62, 66

02 "गोरखपुर मण्डल में शुद्ध कृषित भूमि का विवरण एवं गत्याकमक प्रतिरूप"

Integrated Land and water Management 2003 Page- 64,67

03 "गोरखपुर मण्डल में भूमि उपयोग क्षमता का गत्यात्मक विश्लेषण"

उत्तर भारत भूगोल पत्रिका अंक 34, संख्या–2 दिसम्बर 2004 पृष्ठ– 20, 25

04 "छत्तीसगढ़ राज्य में साक्षरता विषमता"

संविकास संदेश, अंक–15, संख्या–1, जनवरी 2007 पृष्ठ– 57, 66

05 "आधुनिक कृषि में प्रयुक्त कीटनाशकों का पर्यावरण पर प्रभाव"

भारतीय सामाजिक विकास शोध पत्रिका, अंक–13, संख्या–2 दिसम्बर 2007, पृष्ठ–15, 19

06 "गोरखपुर मण्डल में ग्रामीण विकास का क्षेत्रीय प्रतिरूप" भूतल दिग्दर्शन, अंक–1, संख्या–2, दिसम्बर 2010, पृष्ठ 81, 92

07 "पवित्र बौध स्थल कुशीनगर (जनपद) का भैगोलिक अध्ययन" शोध पत्रिका, अंक–1, संख्या–2, जनवरी–जून 2011 पृष्ठ–70, 73

08 "भारतीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव"

"संदर्भ शोध पत्रिका, अंक–1, संख्या–2, जून 2011 पृष्ठ– 93–102

Paper Presentation in National Seminar

01 अष्ट्म पृथ्वी पर्व संविकास सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी 4 एवं 5 जून 2000

02 Environment Development and Quality of life, 24-25 February 2001

03 Organic Farming and rural Development, 4-5 March 2002

04 Integrated Land and Water Management, 6-7 February 2003

05 Higher Education: challenges and Possibilities, 21-22 October 2005

06 ग्रामीण भारत का भविष्य, 7–9 जनवरी 2006

07 मानवाधिकार : वैश्विक चुनौतियॉ, 24–25 सितम्बर 2007

08 Population Resource Environment and Eco-Development, 10-11 March 2007

09 उच्च शिक्षा : अतीत, वर्तमान और भविष्य, 21–22 मार्च 2007

10 Globalization and Polities, 13-14 February 2009

11 Environment Culture and Development, 19-21 November 2009

12 Development of Rural Economics and Social Infra- structure: Needs and Challenges, 1-2 October 2010

13 Environment Technology and Sustainable in India, 12-14 November 2010

14 32nd Indian Geography Congress, 19-21 November 2010

15 Women's Empowerment and Genders Equality, 3-4 February 2011

16 33rd Indian Geography Congress, 11-13 November 2011

17 Environment, Agriculture and Population Growth in India, 26-28 December 2011

18 Human Rights Concepts, Meanings and Development, 27-28 February 2012

19 डॉ0 अम्बेडकर का समाज दर्शन, 24–25 मार्च 2012

20 वर्तमान परिवेश में गांधी की प्रासंगिकता, 15–16 दिसम्बर 2012

21 Technology Innovation, Resource utilization & Enviourmental crisis in India, 1-3 February 2013

22 Disasters, Natural Resource Management and Socio-Economic Development, 4-5 October 2013

23 Enviourmental issues & Challenges, 9-10 November 2013

24 Sustainability, Enviourmental and Society, 12-14 December 2013

25 Challenges of Sarva Siksha Abhiyan, 19-20 February 2015

26 Dynamics of population & Development 28 February & 01 March 2015

27 डॉ0 अम्बेडकर : सामाजिक न्याय, 16 मार्च 2015

28 Recent Trends in social science research, 16 September 2015

29 Land use Management in perspective of Eco-Development, 19-20 December 2015

30 International Seminar our Environment – Yesterday, Today and Tomorrow, 19-20 December 2015

31 Quality Management in Higher Education institution, 20-21 October 2016

32 Conservation of Natural Resources and its Management, 25-26 October 2016

33 भारतीय लोकतन्त्र एवं चुनाव सुधार : चुनौतियॉ एवं सम्भावनायें। 11–12 जनवरी 2017

34 संसाधन, विकास और प्र्यावरण : मुद्दे एवं चुनौतियॉ। 28–29 जनवरी 2017

35 International Seminar Water Resource Management & Challenges, 26 February 2017

36 The Role of Resource utilization, Development and globalization in soci-Economic Disparities in India, 18-19 November 2017

37 A blueprint of sustainable Development for Purvanchal, 26-28 November 2017

38 Future Cities, sustainable Development and Geospatial Technologies, 5-7 December 2017

39 21वीं शताब्दी में भारत–नेपाल सम्बन्ध : चुनौतियॉ एवं विकल्प, 2–3 फरवरी 2018

40 International seminars Environmental Degration- Courses & Consequences, 25 February2018

41 India-Nepal Relation in 21st Century : Issuess, Challenges & optiory, 25-26 March 2018

Faculty as Members in National Committees

01 को– आप्ट मेम्बर आफॅ नागी (NAGI) सेन्ट्रल जोन – 2014
02 आजीवन सदस्यता – नेशनल एसोसिएसन ऑफ जागरफर्स इण्डिया (NAGI) नई दिल्ली
03 आजीवन सदस्यता – उत्तर भारत भुगोल परिषद्, गोरखपुर
04 आजीवन सदस्यता – ग्रामीण संविकास संस्थान, गोरखपुर
05 आजीवन सदस्यता – भैगोलिक विकास शोधा संस्थान, गोरखपुर
06 Life Member – Assossiation of Punjab Geographes

Patination in Institutional social Responsibility and Extension activities

(अ) महाविद्यालय में आयोजित निम्नलिखित संगोरूठीयों के संयोजकत्व का दायित्व निर्वहन किया –

01 भारतीय चुनाव में दौलत की भूमिका, 2016
02 विद्यार्थी एवं राजनीतिक, 2016
03 मेहनतकश की सत्ता के 100 वर्ष, 2016
04 10 दिसम्बर 2016 का मानवाधिकार
05 08 मार्च 2017 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

(ब) अन्य उत्तरदायित्वों का निर्वहन –

01 दीनदयाल उपाध्याय गोरखपरु विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा गठित 2009, 2012, 2014 एवं 2018 सचल दल के सदस्य के रूप में कार्य निर्वहन
02 महाविद्यालय की कीड़ा समिति, परीक्षा समिति एवं अनुशासनात्मक समिति का सदस्य
03

भूगोल विभाग – सन्त विनोबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरिया

शक्ति –

भूगोल विभाग महाविद्यालय का एक महत्वपूर्ण विभाग है जहॉ स्नातक स्तर पर भूगोल विषय की समग्र शिक्षा प्रदान की जाती है। विभाग एक स्वतन्त्र इकाई के रूप में कार्य करता है जिस के पास अपना लैब एवं अध्ययन कक्ष है। विभाग में मात्र एक नियमित अध्यापक हैं और दो सेवानिवृत्त अस्थायी रूप से मानदेय पर निदेशालय क्षरा पुनर्नियुक्त अध्यापक है। विभागाध्यक्ष भूगोल विषय से एम0ए0 एवं पी0 एचडी0 धारक हैं। तथा उन्नीस वर्ष का शैक्षणिक अनुभव है। सेवानिवृत्त मानदेय पर अध्यापन कार्य कर रहे दोनो अध्यापकों को दीर्धकालिक लम्बा शैक्षणिक अनुभव है।

कमजोरी –

विभाग नियमित अध्यापक और कर्मचारियों की गम्भीर कमी से जूझ रहा है। विभाग में कुल चार स्वीकृत शिक्षक पद है, किन्तु वर्तमान में केवल एक ही पद पर शिक्षक कार्यरत है। शेष तीन पद लम्बे समय से खाली पड़ा है। इसी प्रकार विभाग में दो लैब सहायक का पद है। लेकिन इस समय केवल एक ही लैब सहायक सेवारत है। (वे भी दिसम्बर 2018 में सेवानिवृत्त हो जाऐंगे) इस स्थिति में कक्षाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मानदेय शिक्षकों की नियुक्ति निदेशालय द्वारा सितम्बर माह के अन्त में किया जाता है तब तक काफी शैक्षणिक समय बीत चुका होता है जिस से कोर्स समाप्त करने में तथा प्रायोगिक कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। अतः गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य प्रभावित होता है।

अवसर –

यद्यपि सीमित आधारभूत संसाधनों एवं स्थायी शिक्षकों के अभाव के कारण शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ता है फिर भी अकादमिक प्रगति के लिए व्यक्तिगत प्रयास को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय में समग्र वातावरण अनुकूल है।

चुनौतियॉ –

उन्नत सुविधाओं की कमी आवश्यक बुनियादी ढ़ांचे और कुशल जनशक्ति सब से बड़ी चुनौती है।

योजनाएँ –

विभाग के व्यक्तिगत पुस्तकालय को और समृद्ध करने की योजना हैं जिस से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को अध्यापन हेतु विभाग से पुस्तकें अधिक से अधिक उपलब्ध करायी जा सकें। भगौलिक अध्ययन को और अधिक रूचिकर एवं यथार्त अवलोकन हेतु भौगोलिक शैक्षणिक भ्रमण को प्रोत्साहित करने की योजना है। प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए भूगोल विषय से सम्बन्धित अतिरिक्त क्लास चलाने एवं सामग्री उपलब्ध कराने की भी भविष्य की योजना है।

आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों का विद्यार्थयों के द्वारा सर्वेक्षण कराया जाता है। भविष्य में पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों के साथ एक दो दिन रूक कर सर्वेक्षण के द्वारा इन की समस्याओं एवं सम्भावनाओं की तलाश करने की योजना है। भगोलिक अध्ययन को और समुन्नत करने हेतु स्मार्ट क्लास बनवानें की योजना है। जिस से विद्यार्थियों में अधिगम ठीक से हो सके।